Nai Dunai (Indore), 11th March 2022, Page-04

प्रयास

ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए दो संस्थानों के बीच पहले से है समझौता

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे फिक्की फ्लो और आइआइटी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। नगर के दो संस्थान गांवों में रह रही महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके तहत फिक्की फ्लो संस्थान नगर के आसपास के ऐसे गांवों को चिन्हित कर रहा है, जहां महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर करने की जरूरत है। वहीं आइआइटी इंदौर भी अपने संस्थान के आसपास के गांवों की दशा को सुधारने में लगा है। दोनों संस्थानों का उद्देश्य महिलाओं को साक्षर करना, स्वास्थ्य को बेहतर करना और आर्थिक रूप से सक्षम बनाकर आत्मनिर्भर बनाना है।

फिक्की फ्लो और आइआइटी इंदौर के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए समझौता हुआ था। अब इसके तहत दोनों संस्थान मिलकर कई सामाजिक कार्यों की अंजाम देंगे। एक वर्ष में करीब एक हजार महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा है।

पीथमपुर के उद्योगों से जोड़ेंगे : आइआइटी इंदौर और फिक्की फ्लो महिलाओं के कौशल को बेहतर करने के लिए भी काम कर रहे हैं। आइआइटी इंदौर सिमरोल के आसपास के गांवों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है और फिक्की फ्लो इंदौर और आसपास के गांवों में जाकर काम कर रहा है। जो महिलाएं पहले से छोटा व्यवसाय या नौकरी कर रही हैं, उनके कौशल को बेहतर कर पीथमपुर की नामी कंपनियों में काम दिलाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

कर रहे आर्थिक मदद

जिन महिलाओं को पढ़ना-लिखना नहीं आता, उनके लिए सप्ताह में एक बार कक्षाएं संचालित की जाएंगी। छात्राओं को स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाएगा और उनके लिए किताबों का प्रबंध किया जाएगा। जो महिलाएं पहले से छोटा व्यवसाय कर रही हैं और उन्हें व्यवसाय को बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही है, उन्हें आर्थिक मदद की जाएगी। हाल ही में फिक्की फ्लो ने नगर और आसपास के 10 गांवों में शिक्षा के साधन उपलब्ध कराने के लिए सैटेलाइट आधारित आनलाइन कक्षाओं का सेटअप स्थापित किए थे।

फिक्की फ्लो इंदौर की चेयरपर्सन मीतू कोहली का कहना है कि पांच और गांवों में भी कक्षा पहली से 12वीं तक की पढ़ाई कराने के लिए एलईडी और अन्य सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। हमने कोरोना महामारी के पहले आइआइटी इंदौर से समझौता किया था। अब इस काम को गति देने जा रहे हैं। हमारा मकसद है कि महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहे और वे किसी पर निर्भर न रहें।

एसजीएसआइटीएस में छात्राओं के लिए स्टार्टअप सेल

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) महिला उद्यमियों के लिए अलग से सेल बना रहा है। इसकी जिम्मेदारी कालेज की ही महिला प्रोफेसर को दी जाएगी। हर वर्ष कई ऐसे छात्राएं होती हैं, जो उद्यमी बनने के लिए नौकरी के आफर ठुकरा देती है। सेल में शामिल सदस्य ऐसी छात्राओं से बात करेंगी और उनके आइडिया को उत्पाद में बदलने की कोशिश करेंगी।

संस्थान के पास पहले से स्टार्टअप को गति देने के लिए इंक्यूबेशन केंद्र बना हुआ है। ऐसे में महिला उद्यमियों को इंक्यूबेशन केंद्र में निशुल्क कार्यालय, इंटरनेट और संस्थान की लैब उपयोग करने की छूट दी जाएगी। हाल ही में इंदौर में पहली बार महिला उद्यमी एकत्रित हुई थीं। इससे पता लगा था कि शहर में 47 से ज्यादा ऐसे स्टार्टअप हैं, जिन्हें केवल महिलाएं संचालित कर रही हैं। इसके बाद कालेज ने भी छात्राओं के सपनों को पूरा करने के लिए सेल बनाने का निर्णय लिया है।

इंक्यूबेशन केंद्र में निशुल्क उपलब्ध कराएंगे कार्यालय, लैब, इंटरनेट और अन्य सुविधाएं

पूर्व विद्यार्थियों से फंडिंग दिलाई जाएगी : कालेज के कई पूर्व विद्यार्थी इस समय देश-दुनिया की जानी-मानी कंपनियों में कार्यरत हैं। ऐसे में छात्राओं के स्टार्टअप को गति देने के लिए कालेज अपने पूर्व विद्यार्थियों से बात करके फंडिंग उपलब्ध कराएगा। कई पूर्व छात्राओं को भी जोड़ा जाएगा और उन्हें अगर व्यवसाय प्लान अच्छा लगता है तो निवेशक या पार्टनर के रूप में भी शामिल करने की कोशिश की जाएगी।

संस्थान के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि इस समय सभी स्टार्टअप के लिए एक जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कई छात्राएं भी अब खुद का स्टार्टअप तैयार करने का मन बना रही हैं। ऐसे में अलग से सेल स्थापित होने से उन पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। महिला उद्यमियों को हमारे यहां के अलग-अलग विभाग के अनुभवी शिक्षकों का अनुभव और राय मिलेगी। जरूरत पड़ी तो नामी उद्यमी सलाहकारों को भी आमंत्रित कर छात्राओं की स्टार्टअप से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जाएगा।